Read India
An Imprint of Pratham Books

गौरैया और अमरूद

वैंकटरमन गौड़ा
पद्मनाभ

Original Story (*Kannada*) Gubbi Mattu Hannu by Venkatramana Gowda
© Pratham Books, 2004

Second Hindi Edition: 2009

Illustrations & Design: Padmanabh
Hindi Translation: K. Vijaya

ISBN : 81-8263-128-6

Registered Office:
PRATHAM BOOKS
633-634, 4th "C" Main, 6th 'B' Cross, OMBR Layout,
Banaswadi, Bangalore 560 043
✆ 080-25429726 / 27 / 28

Regional Offices:
Mumbai ✆ 022-65162526 and New Delhi ✆ 011-65684113

Typesetting and Layout by: Pratham Books, New Delhi

Printed by: Pentaplus Printers Pvt. Ltd., Bangalore

Published by:
Pratham Books | www.prathambooks.org

Some rights reserved. This book is CC-BY-3.0 licensed.
Full terms of use and attribution available at:
http://www.prathambooks.org/cc

गौरैया और अमरूद

लेखन : वैंकटरमन गौड़ा
चित्रांकन : पद्मनाभ
हिन्दी अनुवाद : के. विजया

यह पुस्तक

_____

_____

_____

की है।

एक गौरैया थी। एक दिन वह बाज़ार गई।
वहाँ से वह एक अमरूद लाई।

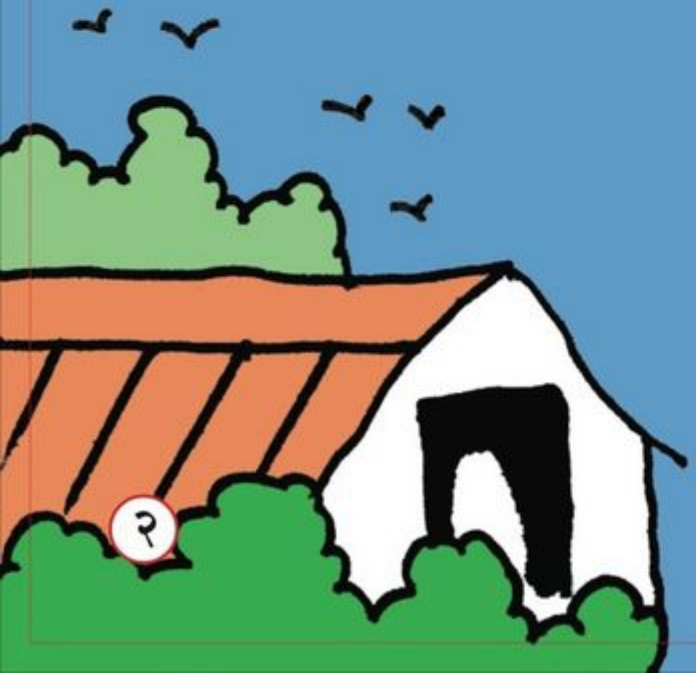

रास्ते में वह अमरूद एक
कँटीली झाड़ी में गिर गया।

वहीं काम पर लगे लड़के से गौरैया ने
अमरूद निकाल कर देने को कहा।
''जा! नहीं देता,'' उसने कहा।

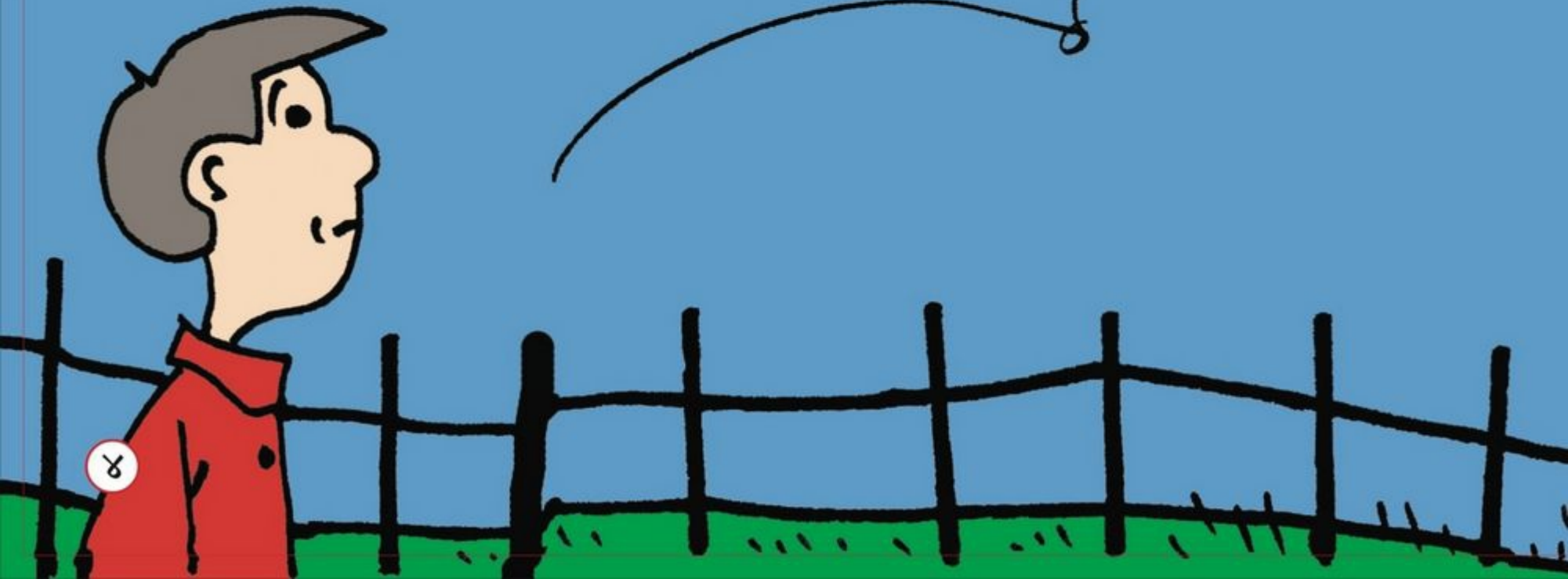

गौरैया पास में काम करने वाले
किसान के पास गई। जिस लड़के
ने अमरूद निकालने से इन्कार
किया था, उसे पीटने के लिए कहा।
किसान बोला, ''नहीं होगा!''

वहीं घास चरती हुई गाय के पास जाकर गौरैया बोली, ''मेरा अमरूद कँटीली झाड़ी में गिरा है। निकाल कर देने के लिए उस लड़के से कहा तो उसने मना कर दिया। उस लड़के को पीटने के लिए किसान से कहा तो उसने भी मना कर दिया। अब तुम उस किसान के खेत को चर लो।'' ''नहीं होगा,'' कहते हुए गाय ने मुँह फेर लिया।

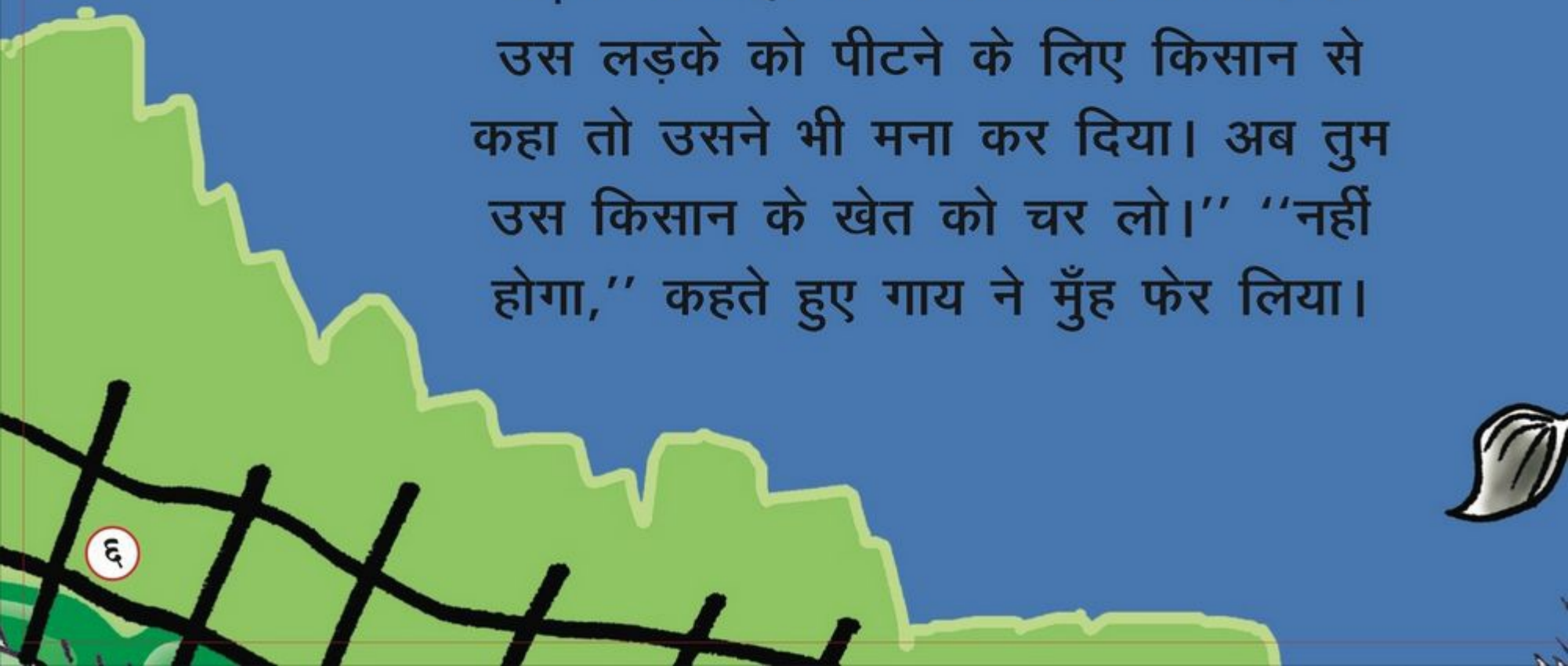

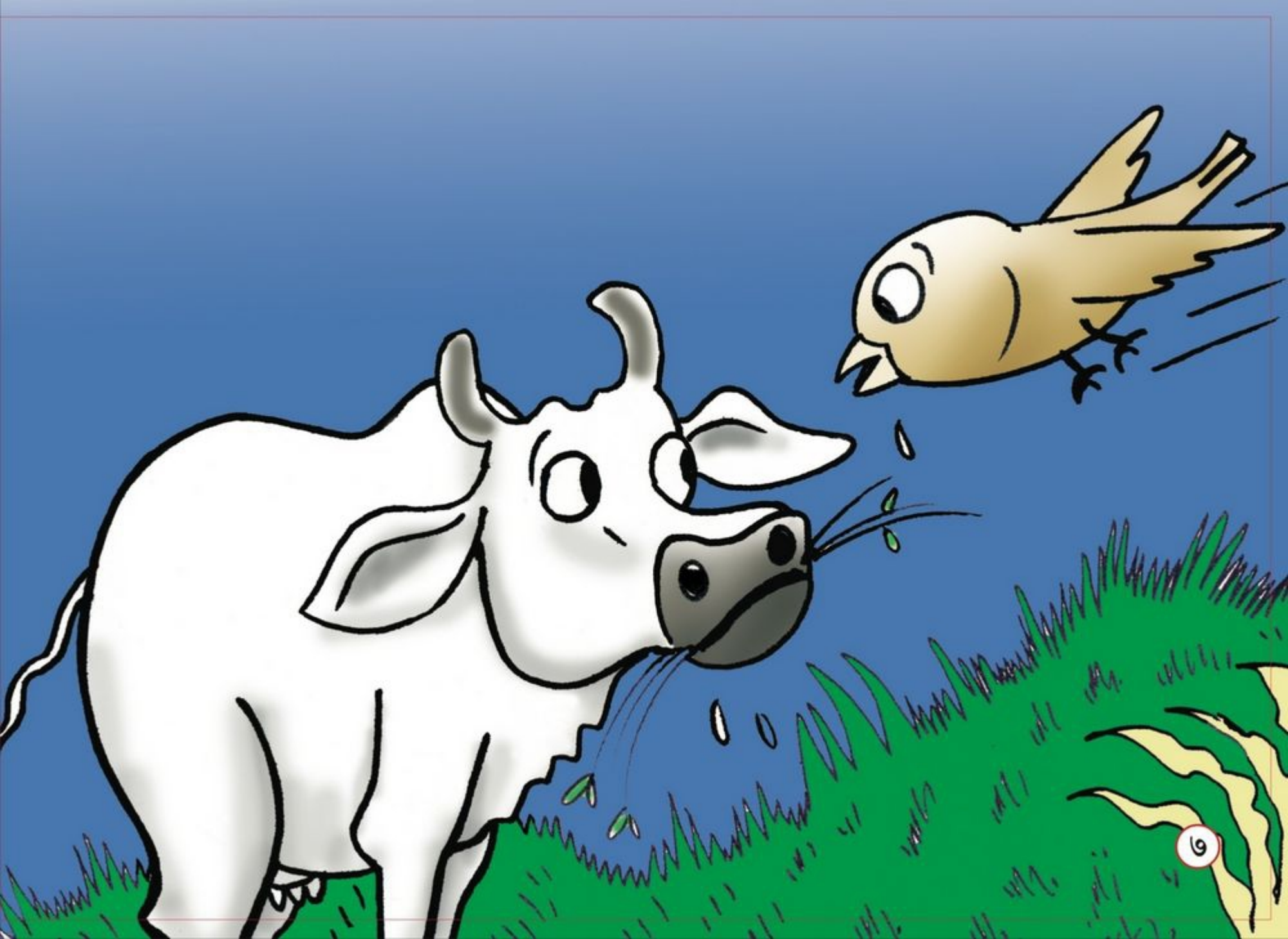

फिर गौरैया मछुआरे के पास जाकर बोली,
''गाय को एक डंडा मारो।''
लेकिन मछुआरा नहीं माना।

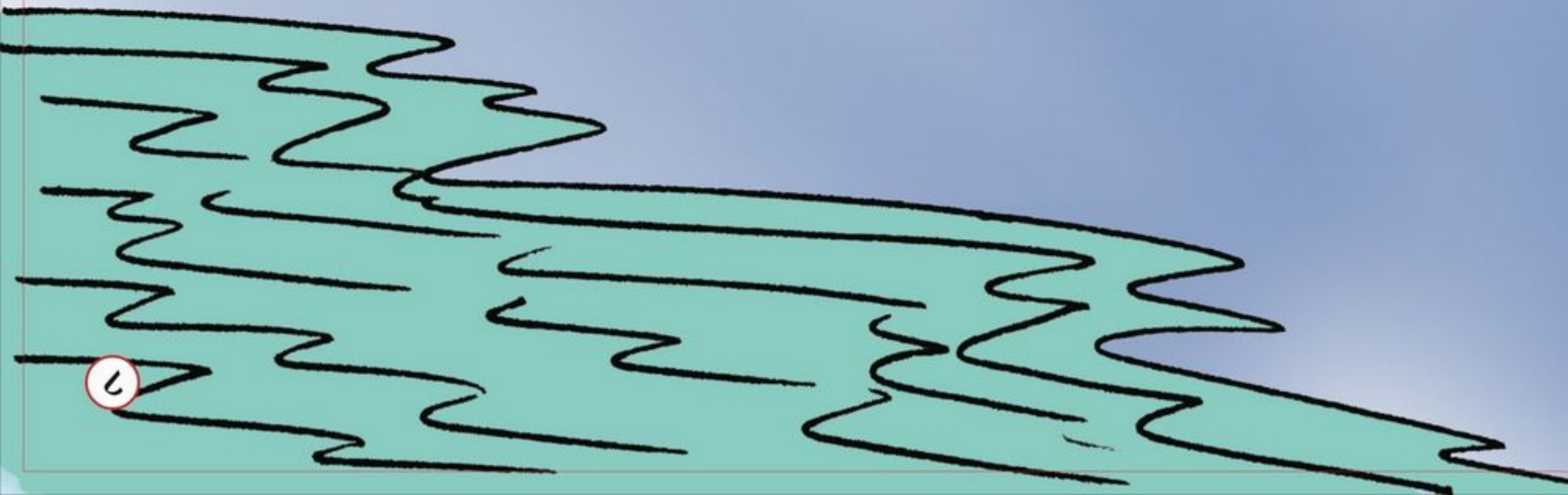

गौरैया चूहे के पास जाकर बोली, ''मैं बाज़ार से एक अमरूद लाई। वह कँटीली झाड़ी में गिर गया। उस लड़के ने निकाल कर नहीं दिया। किसान, गाय, मछुआरे किसी ने मेरी बात नहीं मानी। तुम इस मछुआरे के जाल के टुकड़े कर दो।'' चूहे ने कहा, ''ना बाबा ना! जाल के टुकड़े नहीं करूँगा।''

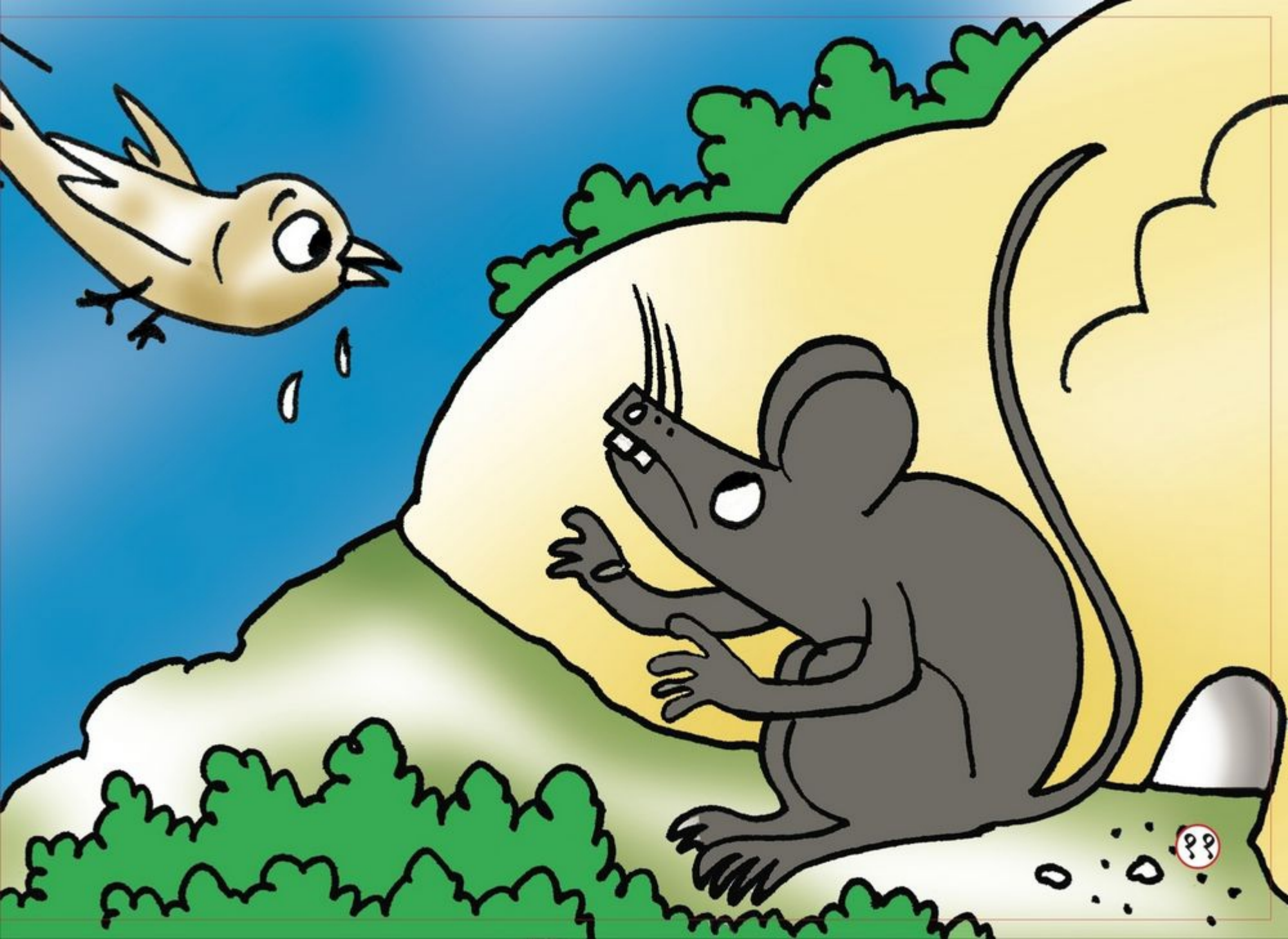

फिर गौरैया ने बिल्ली के पास जाकर
चूहे की शिकायत करी और कहा कि
वह उसे पकड़ ले। बिल्ली ने भी
कहा, ''जा, नहीं होगा।''

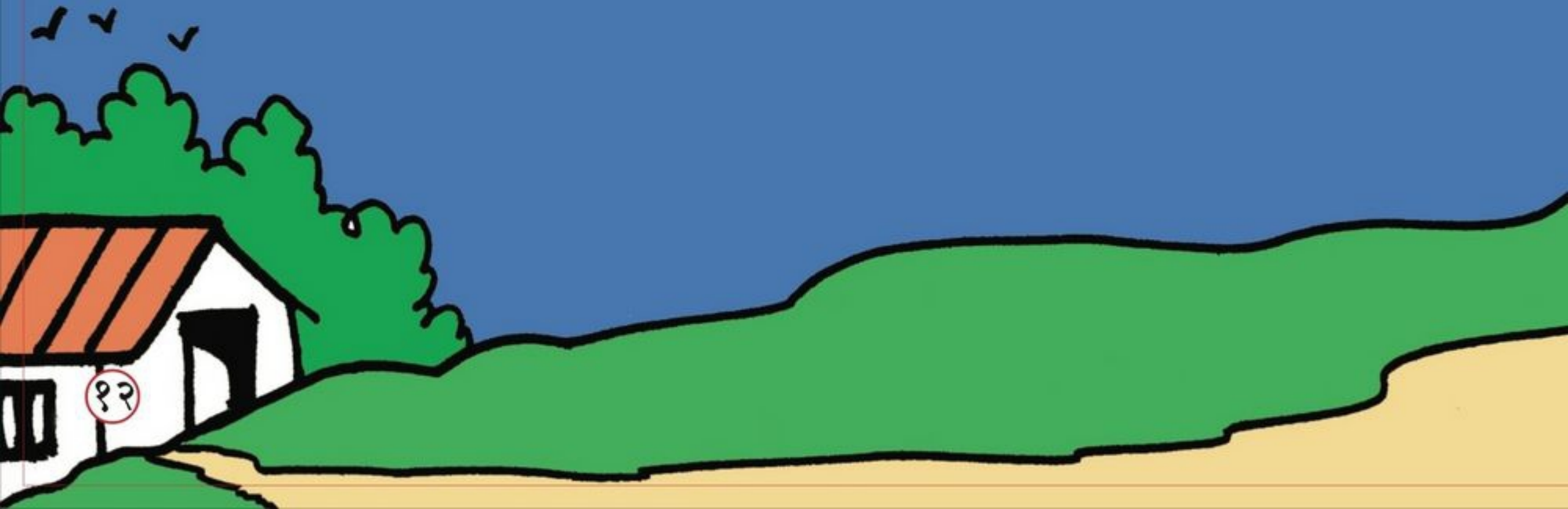

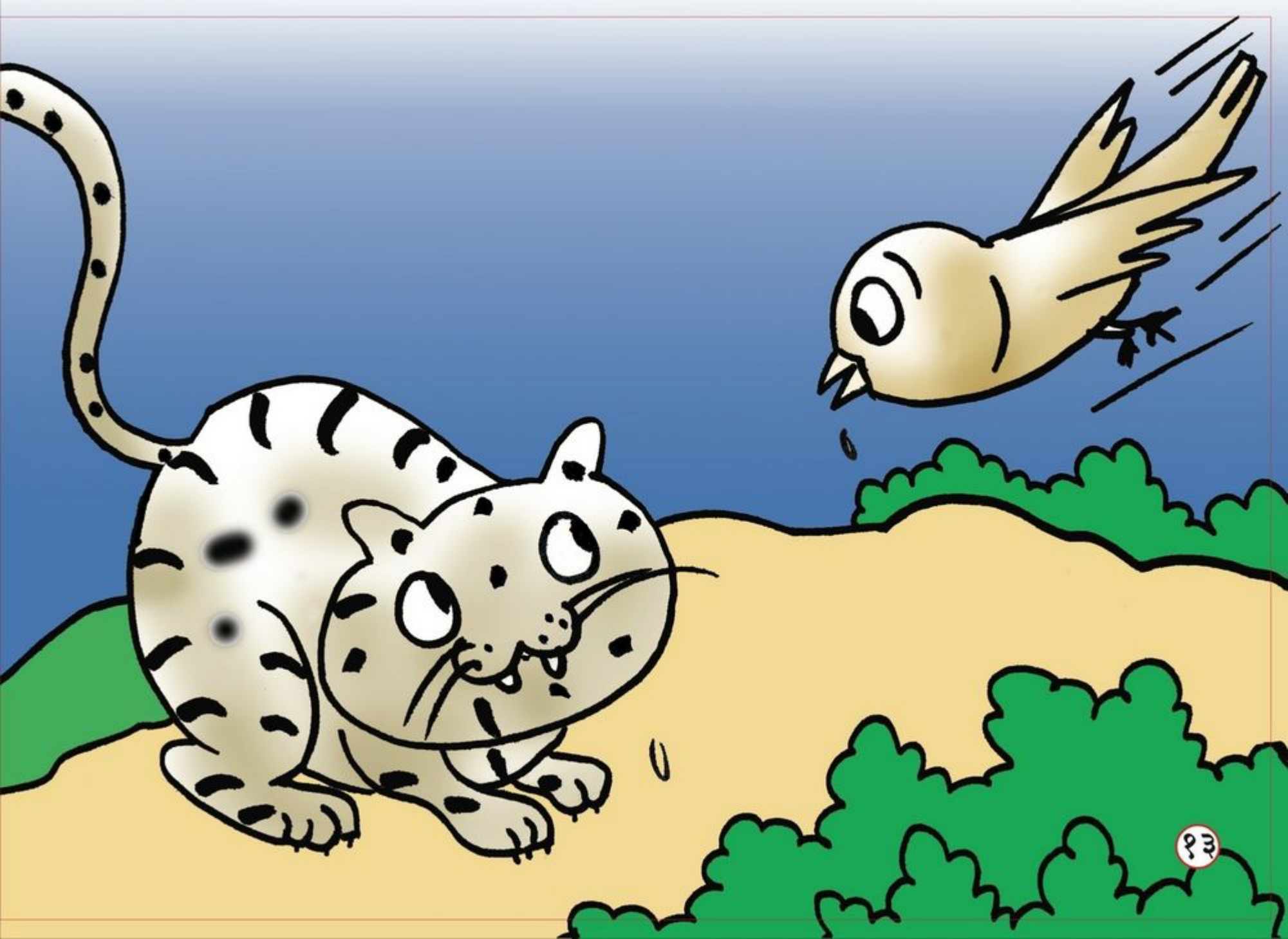

गौरैया बड़ी हैरान और परेशान कि किसी ने भी
उसका कहना नहीं माना! बड़ी दुखी हुई कि
किसी ने भी उसकी मदद नहीं की।
तब उसे अपनी दोस्त चींटी की याद आई।

चींटी कुछ दूर रहती थी पर और कोई
उपाय न होने की वजह से गौरैया उसके
पास गई। उसने उससे पूछा कि क्या
वह उस बिल्ली को काटेगी।
चींटी तुरंत मान गई।

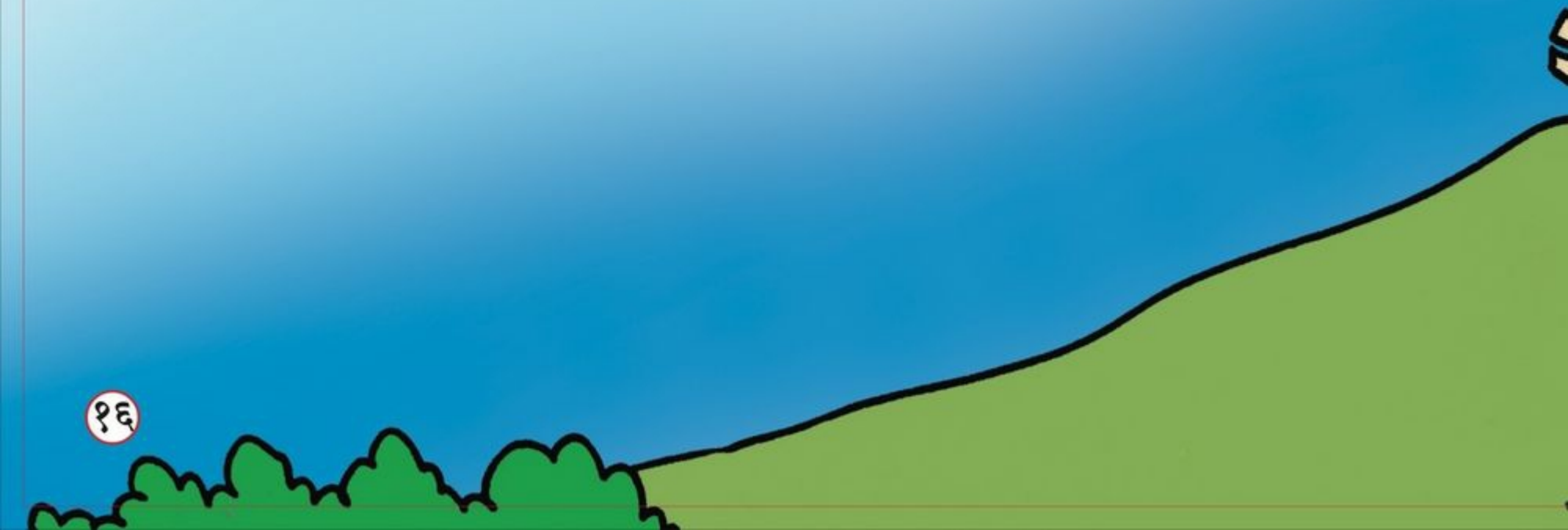

चींटी ने आकर बिल्ली को काटा। बिल्ली ने चूहे को पकड़ लिया। चूहे ने दौड़कर मछुआरे के जाल को काट डाला। मछुआरे ने गाय को पीटा। गाय किसान के खेत को चर गई।

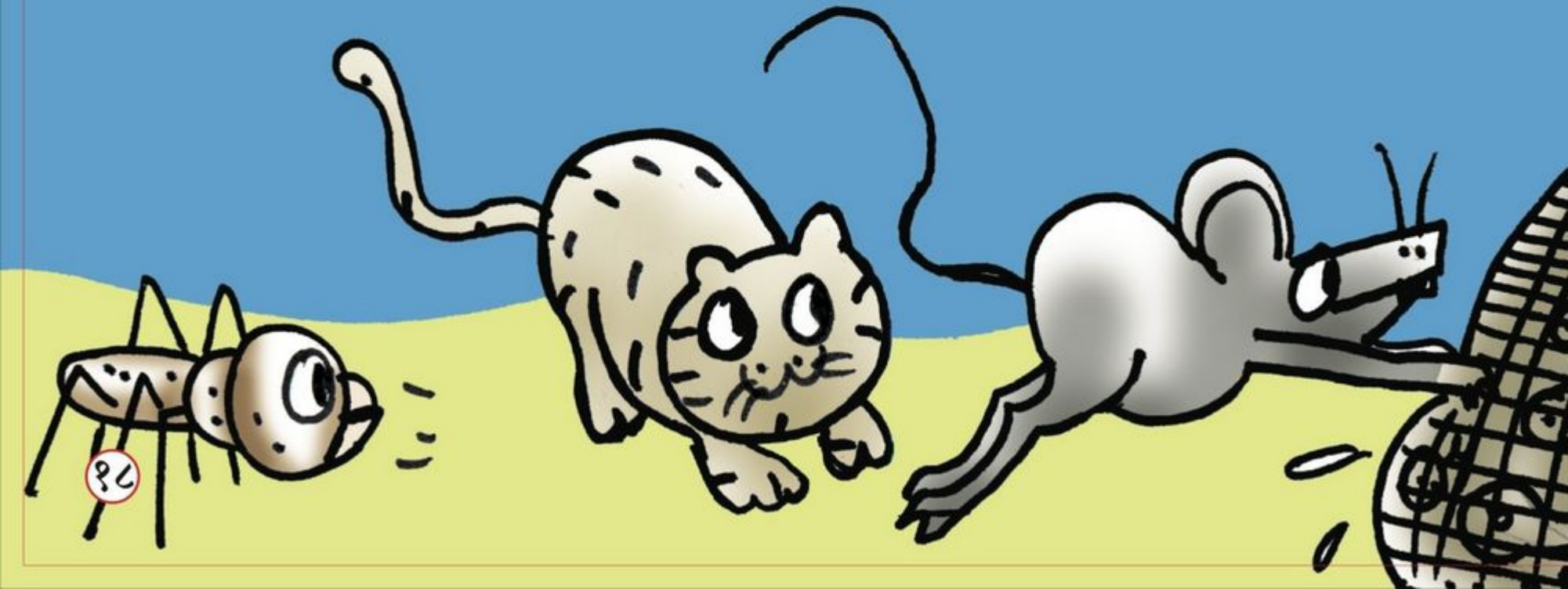

किसान ने उस लड़के की पिटाई की।

लड़के ने कँटीली झाड़ी में से अमरूद
निकाल कर गौरैया को दे दिया।
अब तो गौरैया बहुत खुश! उसने
अपनी दोस्त चींटी को धन्यवाद कहा।

झटपट अमरूद खाने के इरादे से एक जगह जाकर बैठ गई। अमरूद पर एक चोंच ही मारी थी कि उसे सिर पर भारी चोट महसूस हुई। आँखों के आगे अँधेरा छा गया और वह गिर पड़ी। यह कैसे हुआ? जब उसने अमरूद खाना शुरू किया था उसी समय एक कौआ एक लकड़ी के टुकड़े को चोंच में दबाकर उड़ रहा था।

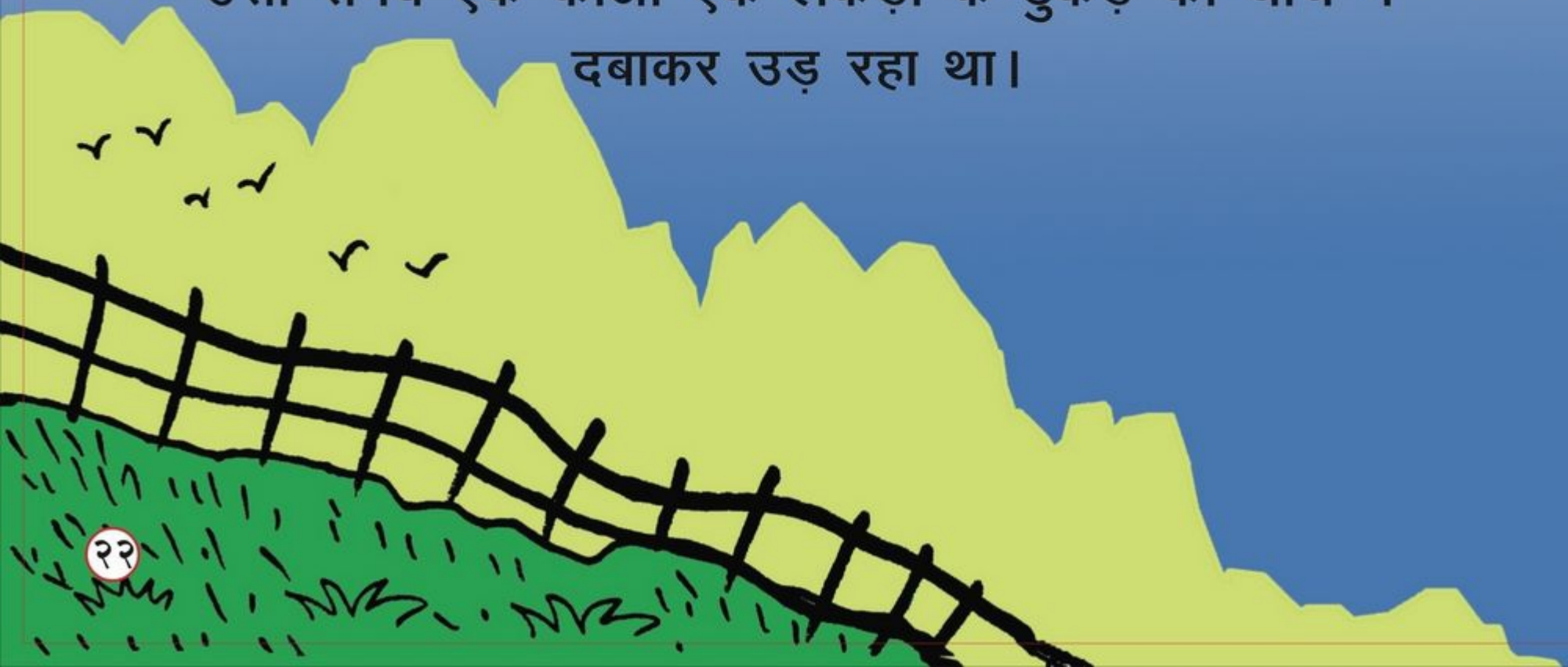

वह लकड़ी का टुकड़ा
उसकी चोंच से
निकलकर गौरैया की
खोपड़ी पर गिर पड़ा।
बस, यहीं पर
कहानी खतम!

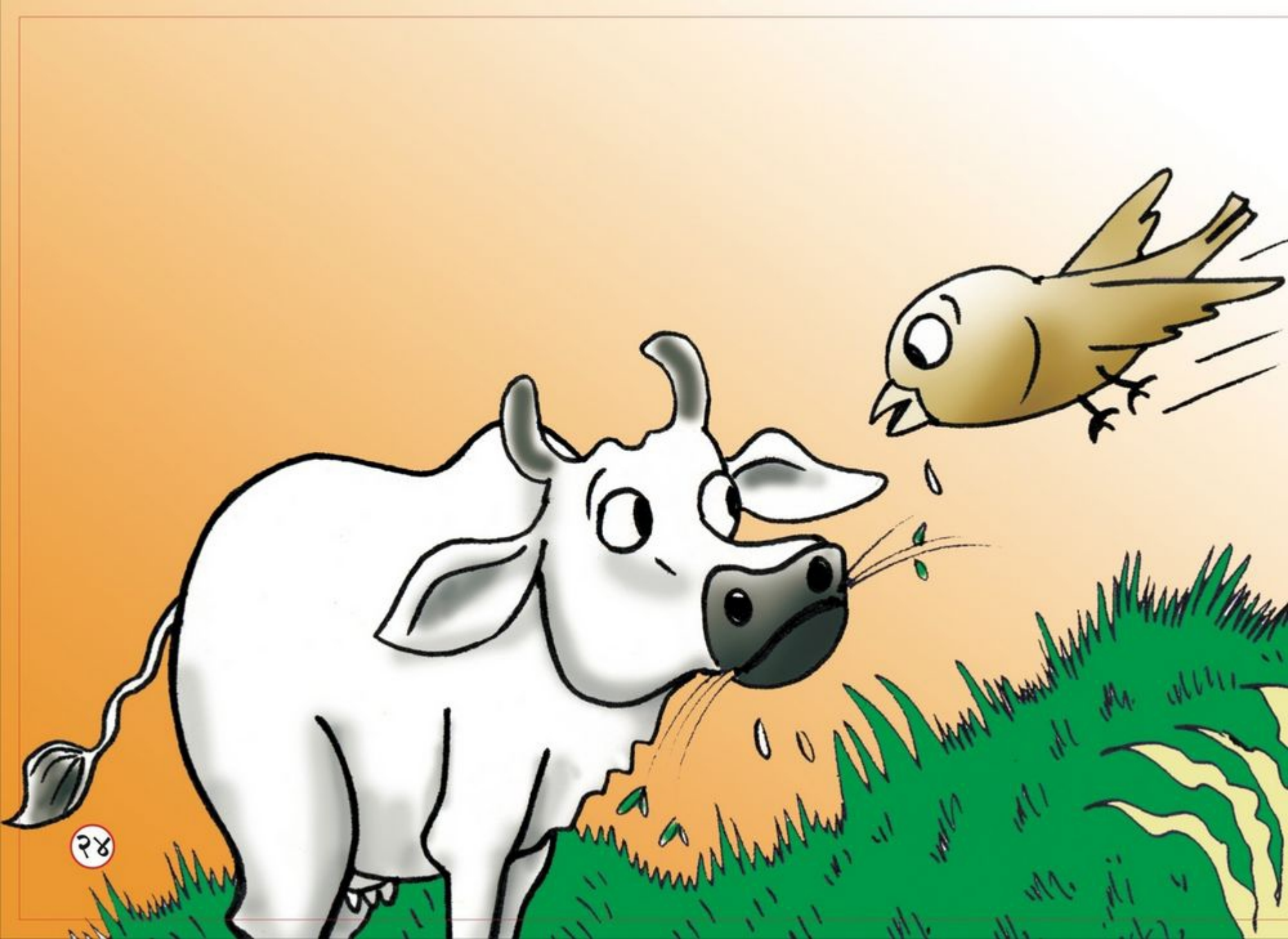

मेरा नाम अंजली है और खेल में सबसे आगे रहती हूँ। खेलने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। कॉमिक की किताबें मुझे अच्छी लगती हैं।
यह किताब खरीदने के लिये शुक्रिया। आपने यह किताब खरीदी तो मेरे पुस्तकालय में और भी बहुत सी किताबें आयेंगी जिन्हें मैं और मेरे दोस्त पढ़ सकेंगे।

वेंकटरमण गौड़ ने कन्नड़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करी है और वे एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। उन्होंने उदयवाणी व विजय कर्नाटक में काम किया है और कुछ समय तक अपनी मासिक पत्रिका का सम्पादन किया। उत्तर कन्नड़ में हलक्की जनजाति के वेंकटरमण अपनी कहानियों व कविताओं में लोक शैली के लिये जाने जाते हैं। वे हैदराबाद में एक टेलिविज़न चैनल में कार्यरत हैं।

पद्मनाभ एक चित्रकार हैं जिन्होंने कर्नाटक के कई समाचार पत्रों में काम किया है।

जब गौरैया का मीठा अमरूद कँटीली झाड़ी में गिर जाता है, वह उसे वापस पाने के लिये बड़ी चालाकियाँ खेलती है। पर क्या चालाकी हमेशा काम आती है?

पढ़िये, इस मज़ेदार किस्से में...

इस शृंखला की अन्य पुस्तकें

नौका विहार ● मछली ने समाचार सुने ● बुलबुलों वाला फेनीला दूध
कौए के रिश्तेदार ● राजू और तरकारी ● कुहू–कुहू कोयल
कछुआ और खरगोश ● स्वाद अनार का ● रंग बिरंगी सुंदर मछली

अनेक भारतीय भाषाओं में हमारी रोचक किताबों के बारे में और जानकारी के लिये www.prathambooks.org पर लॉग आन करें।

हमारी किताबें अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, गुजराती, बांग्ला, पंजाबी, उर्दू व उड़िया में भी उपलब्ध हैं।

PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स भारतीय भाषाओं में वाजिब दामों व अच्छे स्तर की बाल पुस्तकें प्रकाशित करने वाली ग़ैर मुनाफ़ा प्रकाशन संस्था है।

ISBN 818263128-9

9788182631281

Age Group: 7-10 years
Gauraiya Aur Amrood (Hindi)
MRP: Rs. 20.00